



#### असाधारण

### **EXTRAORDINARY**

भाग II—खंबह 3—उपस्तबह (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 228]

मई बिल्नी, जुकबार, जुलाई 1, 1977/ब्रावाद 10, 1899

No. 2281

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 1, 1977/ASADHA 10, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या ही जाती हैं जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part In order that it may he filed as a generate compilation

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### (Department of Personnel and Administrative Reforms)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July 1977

- G.S.R. 431(E) —In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951) the Central Government after consultation with the State Governments, concerned, hereby makes the following rules further to amend the All India Services (Leave) Rules 1955, namely.—
- 1 (1) These rules may be called the All India Services (Leave) Third Amendment Rules, 1977
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Gazette of India
- 2 In rule 11 of All India Services (Leave) Rules, 1955, (Hereinafter referred to as the said rules), below sub-rule (1), the following proviso shall be inserted,—
  - "Provided that earned leave granted as leave preparatory to retirement shall be subject to a maximum of 180 days".
- 3 For tule 13 of the said rules, the following rules shall be substituted, namely --
  - "13 Commuted Leave.—(1) Commuted Leave not exceeding half the amount of half day leave due may be granted on medical certificate to a member of the Service subject to the condition that twice the amount of such leave shall be debitable to the half pay leave due

- (2) Commuted leave for a period not exceeding ninety days may be granted to a member of the Service during his entire service when such leave is availed of for course of study which is certified to be in public interest by the Government
- (3) No Commuted leave may be granted under this rule unless the Government has reason to believe that the matter of the Service will return to duty on its expiry"
- 4 For sub-rule (1) of Rule 18 of the said rules the following shall be substituted namely:—
  - "(1) Maternity leave may be granted to a women member of the Service on full pay up to a period of 90 days from the date of its commencement."
- 5. For sub-rule (1) of rule 20A of the said rules, the following shall be substituted, namely
  - "20A Cash equivalent of leave salary in case of deaths in service.—(1)
    Where a member of the Service dies while in service, the cash equivalent of the leave salary that the deceased officer would have received had he availed himself of earned leave at his credit on the date immediately following the date of death subject to a maximum of 180 days, shall be paid to his family"
- 6 In sub-rule (2) of rule 21, of the said rules the words, 'Under any Government or private employer' shall be omitted
- 7 In rule 22 of the said rules, for the opening portion beginning with the words, "All orders recalling a member" and ending with the words, "he shall be entitled", the following shall be substituted, namely;
  - "A member of the Service who is recalled to duty before the expiry of the leave granted to him shall be entitled."

[No, 11019/13/77-AIS(III)]

R L AGGARWAL, Under Secv

## गृह मंत्रालय

### (कार्मिक और प्रशासनिक सुवार विभाग)

## श्रधिसूचना

# नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1977

सा॰ का॰ नि 43 ( प्र ) — केन्द्रीय सरकार, श्रिखल भारतीय सेवा श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध राज्य सरकारों से परामर्श करने के पश्चान, श्रिखल भारतीय सेवा (छुट्टी) नियम, 1955 में श्रीर सशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, श्रर्थात् :—

- ा. (1) इन नियमों का नाम श्रखिल भारतीय सेवा (छुट्टी) तृतीय संशोधन ् नियम, 1977 है।
  - (2) ये राजनव में प्रकाशन को तारीख को प्रवृत्त होगे।
- 2. प्रखिल भारतीय सेवा (छुट्टी) नियम, 1955 के नियम 11 में (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है), उपनियम (1) के नीचे नि निलिखित परन्तुक अन्त स्थापित किया जाएगा ---
- "परन्तु निवृत्ति पूर्व छुट्टी के रुप में मज्र की गई उपार्जित छुट्टी मधिकतम 180 दिन होगी।"

- 3. उक्त नियमों के नियम 13 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, भर्षातु —
  - "13. परिवर्तित छुट्टी ——(1) बाकी अर्ध बेतन छट्टी अर्वाध की आधे से अनिधक परिवर्तित छुट्टी, सेवा के सदस्य को चिकित्सीय प्रमाणपत्न के आधार पर इस गर्त के अधीन रहते हुए मंजूर की जा सकेगी कि ऐसी छुट्टी को दुगनी अवधि बाकी अर्धवेतन छुट्टी के नाम डाली जाएगी।
  - (2) नथ्बे दिन से ग्रनिधक की अवधि के लिए परिवर्तित छुट्टी सेवा के सदस्य को उसकी सम्पूर्ण सेवा के दौरान नब मंजूर की जा सकेगी जब ऐसी छुट्टी किसी ऐसे पाठ्यक्रम के ग्रध्ययन के लिए ली गई है जिसके बारे में सरकार यह प्रमा-णित कर कि वह लोकहित में है।
  - (3) इन नियमों के अधीन कोई परिवर्षित छुट्टी तब तक मंज़र नहीं की जाएगी जब तक कि सरकार के पास यह विष्वास करने का कराण न हो कि सेवा का सदस्य उसकी समाप्ति पर कार्य पर वापस श्रा जाएगा।"
  - 4. उक्त नियमों के नियम 18 के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, ग्रर्थान :---
    - "(1) सेवा की महिला सदस्य को प्रसूति छुट्टी उसके प्रारम्भ की तारीख से 90 दिन की ग्रविध के लिए पूरे बेतन पर मंजूर की जा सकेगी।"
  - 5. उक्त नियमों के नियम 20क के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा,, अर्थात् '---
    - "20-क. सेवा मे रहते मृत्यु की बजा मे छट्टी बेतन का नगवी समतुल्य.--(1) जब सेवा के किसी सदस्य की सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाए तब छुट्टी बेतन का नगदी समतुत्य, जो मृतक ग्रधिकारी तब प्राप्त करता जब वह मत्यु की तारीख से ठीक पूर्व की तारीख को ग्रपने खाते में जमा उपाजित लूटी 180 दिन के ग्रधिकतम के ग्रधीन रहते हुए, स्वय ले लता उसके कुटुम्ब को दिया जाएगा।"
  - 6 उक्त नियमों के नियम 21 के उपनियम (2) में "किसी सरकारी या प्राइवेट नियोजक के भ्रधीन" शब्दों का लोप किया जाएगा।
  - 7 उक्त नियमों के नियम 22 में "सेवा के सदस्य की" शब्दों से आरम्भ होने वाले श्रीर "वह निम्नलिखित का हकदार होगा" शब्दों से समाण्य होने वाले आरम्भिक भाग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, श्रवात् "सेवा का सदम्य, जिसको उसे मजूर की गई छुट्टी की समाप्ति से पूर्व कर्त्तव्य पर वापस बुलाया गया है, निम्नलिखित का हकधार होगा।"

[सं॰ 11019 13 77-ए धाई एस (III)] आर॰ एल॰ अग्रवाल, श्रवर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मृद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मृद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977